Mail-pckvkchittorgarh@gmail.com Mo. 9414497988

KRISHI VIGYAN KENDRA, CHITTORGARH
कृषि विज्ञान केन्द्र, चित्तौड़गढ़
DIRECTORATE OF EXTENSION EDUCATION
प्रसार शिक्षा निदेशालय
(Maharana Pratap University of Agriculture and Technology, Udaipur)
(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)

Dr. R.L. Solanki
Senior Scientist and Head

क्रमाकं / केवीके / चित्तौड़ / स्थापन / 2025 / एस.पी.–1 दिनांक : 25.01.2025

प्रेस विज्ञप्ति

एक दिवसीय बायोगेस प्रोद्योगिकी उपयोग पर प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, चित्तौड़गढ़ द्वारा आयोजित एवं डेयरी एवं खाद्य प्रोद्योगिकी महाविद्यालय, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय बायोगेस प्रोद्योगिकी उपयोग पर प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 25.01.2025 को किया गया। जिसमें राज्यपाल स्मार्ट विलेज गांव पायरी से 40 कृषक एवं कृषक महिलाओ ने भाग लिया। प्रशिक्षण में कृषको को कृषि साहित्य कलेन्डर एवं वर्मी कम्पोस्ट इकाई हेतु वर्मी कल्चर एवं मूंगफली का उन्नत बीज भी वितरित किये गये।

केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. रतन लाल सोलंकी, ने प्रशिक्षण के दौरान कहा कि स्वच्छ खाना पकाने के लिए ईंधन, प्रकाश, तापीय एवं उपभोक्ताओं की छोटी विद्युत जरूरतों को पूरा करने के लिए बायोगैस संयंत्र की स्थापना करना जिसके परिणामस्वरूप जीएचजी में कमी आती है, सफाई में सुधार, नारी सशक्तिकरण एवं ग्रामीण रोजगार का सृजन होता है। जैविक समृद्ध जैव खाद के उत्पादन के लिए बायोगैस संयंत्र से निकला डाइजेस्टड स्लरी, जो खाद का एक समृद्ध स्रोत है, इससे किसानों को रासायनिक उर्वरक के स्थान पर उपयोग करने अथवा रासायनिक उर्वरक उपयोग में कमी लाने में किसानों को लाभ होगा।

श्री के.एल. पानेरी, लेब तकनिशियन, नवीकरणीय ऊर्जा अभियांत्रिकी विभाग, उदयपुर ने कृषको को वित्तीय वर्ष की शुरुआत में ही बायोगैस कार्यक्रम के तहत एमएनआरई द्वारा सभी राज्य क्रियान्वयन एजेंसियों को लघु बायोगैस संयंत्रों की स्थापना के लिए वार्षिक लक्ष्यों का आवंटन।लघु बायोगैस संयंत्रों को प्रतिपूर्ति के आधार पर नामित एसएनडी, पीआईए अर्थात राज्य ग्रामीण विकास विभाग / राज्य नोडल एजेंसियां और केवीआईसी, मुम्बई को वार्षिक आवंटित लक्ष्यों के लिए तिमाही आधार पर निधियां जारी करना। पूर्वोत्तर राज्यों, पहाड़ी राज्यों, लघु बायोगैस संयंत्रों के एससी और एसटी श्रेणी के लाभार्थियों के लिए बढ़ी हुई सीएफए सहायता।पशु गोबर आधारित बायोगैस संयंत्र यदि शौचालय से जुड़े होने पर , केवल व्यक्तिगत घरों के लिए अतिरिक्त सब्सिडी और बायोगैस स्लरी फिल्टर यूनिट (1600 रु / – प्रति बायोगैस संयंत्र) इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई। प्रशिक्षण में श्रीमती दीपा इन्दौरिया, कार्यक्रम सहायक, श्री मोहम्मद इरशाद, श्री संजय कुमार धाकड़, तकनीकी सहायक आदि उपस्थित थे।

अन्त में श्री शंकर लाल नाई, सेवानिवृत सहायक कृषि अधिकारी ने प्रशिक्षण में उपस्थित सभी कृषक एवं कृषक महिलाओ को धन्यवाद ज्ञापित किया।

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष